RNI No. : DELBIL/2005/15122 D.L. No. : DL (S)-01/3362/2019-21

विद्याभारती संकुल संवाद

मासिक पत्रिका
E-mail : vbsankulsamvad@gmail.com

वर्ष-16 अंक 1 दिसम्बर 2019 विक्रमी सं. 2076 मूल्य : एक रुपया

अखिल भारतीय संस्कृति महोत्सव का आयोजन

कला हमारे अंदर संस्कृति का अंश डालने का काम करती है: डॉ. सच्चिदानंद जोशी

विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान, कुरुक्षेत्र द्वारा दिनांक 29 नवंबर से 01 दिसंबर तक अखिल भारतीय संस्कृति महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंन्द्र, संस्कृति मंत्रालय के सदस्य सचिव एवं भारतीय संस्कृति की विभिन्न विधाओं के मर्मज्ञ डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने कहा कि प्रतियोगिताओं में भाग लेने से बच्चों में ऊर्जा एवं चेतना संचार होता है। प्रतियोगिताएँ बच्चों को एक जिम्मेदार, एक संस्कारित मनुष्य बनाने की प्रक्रिया का महत्त्वपूर्ण अंग है। जीवन में ये कलाएँ न हों तो जीवन पशुतुल्य है।

डॉ. जोशी ने गुरुनानक देव जी के 550वें वर्ष के उपलक्ष्य में उनकी शिक्षाओं पर बोलते हुए कहा कि गुरुनानक देव जी ने लगभग आधे विश्व की यात्राएँ कीं एवं विभिन्न धर्म, संप्रदायों, मतों के साधु-संतों व संन्यासियों से वार्तालाप किया। छात्रों का उत्साहवर्द्धन करते हुए उन्होंने कहा कि ''असफलता एक चुनौती है, उसे स्वीकार करो, क्या कमी रह गई देखो और सुधार करो, संघर्षों का मैदान छोड़ मत भागो, कुछ किए बिना जय-जयकार नहीं होती, कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।''

संस्थान के अध्यक्ष डॉ. ललित बिहारी गोस्वामी ने अपने प्रस्तावना रखते हुए कहा कि जब हम कला की साधना करेंगे तो वहाँ हमारी स्पर्धा किसी और से नहीं, अपने आप से होगी। भारत में सभी कलाओं का विकास मंदिरों में, धर्म में, अध्यात्म से हुआ है। यह आध्यात्मिकता हमारे जीवन में प्रवेश कर जाए तो हमारी कलाओं की उन्नति, उनका विकास कैसा और किस दिशा में होगा, यह हम सोच समझ सकते हैं और वही दिशा भारतीयता की है, हिन्दुत्त्व की है और वही इस देश का सामान्य स्वभाव है।

संस्कृति महोत्सव के अवसर पर सांस्कृतिक संध्या का भी आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कैलाशचन्द्र शर्मा रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपकाराधान एवं आबकारी आयुक्त, हरियाणा श्री नन्हाराम फूले रहे।

समापन समारोह में श्री भारतभूषण भारती उपस्थित रहे तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. सौभाग्य वर्द्धन एवं डॉ. पूरणमल गौड़ उपस्थित रहे। संस्थान के सचिव श्री अवनीश भटनागर ने कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए कहा कि देश भर में चल रही विद्या भारती के 25 हजार विद्यालयों की विशेषता भारत की संस्कृति, स्वाभिमान, गौरव को जाग्रत करने वाली शिक्षा देना है, जो केवल भारतीय संस्कृति के ज्ञान से ही संभव है।

मुख्य अतिथि श्री भारत भूषण भारती ने कहा कि इतिहास के पन्नों को पलटें तो आदिकाल से अपनी संस्कृति, अपना विचार, अपना समाज, शिक्षा चरम सीमा पर थी जिसे विश्वगुरु का दर्जा प्राप्त था। कालांतर में जैसे-जैसे आक्रमणकारी हमारे देश में आए तो भारतीय संस्कृति को नष्ट करने का प्रयास किया, लेकिन हमारी संस्कृति महान है और कभी न मिटने वाली है। उन्होंने गुरुनानक देव जी के 550वें प्रकाशोत्सव की बधाई देते हुए कहा कि गुरुनानक देव जी की तीन बातों को जीवन में अवश्य धारण करना चाहिए। पहली व्यक्ति को अपने हाथों से मेहनत करना, दूसरी प्रभु चरणों में ध्यान लगाना और तीसरा जो सुख सुविधाएँ अपने पास है, उन्हें अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुँचाना।

महोत्सव के समापन के विशिष्ट अतिथि हरियाणा साहित्य अकादमी के चेयरमैन डॉ. पूरणमल गौड़ ने कहा कि हमारी संस्कृति वैभवशाली और महान है। विश्व में अनेक संस्कृतियाँ आई और चली गई लेकिन भारतीय संस्कृति के समक्ष पूरा विश्व नतमस्तक है।

महोत्सव के दूसरे दिन संस्कृति ज्ञान प्रश्न-मंच, आशु भाषण, कथा-कथन एवं पत्रवाचन की प्रतियोगिकताएँ हुई, जिनमें पूरे देश के सभी राज्यों के छात्रों ने प्रतिभागिता की। परिणाम इस प्रकार रहे :-

1. आशु भाषण प्रतियोगिता - शिशु वर्ग में प्रथम स्थान पर उत्तर क्षेत्र के मन्नत शर्मा, द्वितीय स्थान पर पूर्वोत्तर क्षेत्र के मयूरम बरा, तृतीय स्थान पर पूर्वी उत्तरप्रदेश के सूर्यप्रकाश मिश्रा रहे। बाल वर्ग में प्रथम स्थान पर पूर्वी उत्तरप्रदेश के अजासरा सिंह, द्वितीय स्थान पर उत्तर क्षेत्र के रवनीत कौर एवं

तृतीय स्थान पर पश्चिमी उत्तरप्रदेश के कृष्णा भट्ट रहे।

2. तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता – किशोर वर्ग में प्रथम स्थान पर दक्षिण मध्य क्षेत्र के कन्या एस. शेट्टी, द्वितीय स्थान पर पूर्व क्षेत्र से प्रियंका प्रियदर्शिनी महापात्र, तृतीय स्थान पर उत्तर पूर्व क्षेत्र से प्रणव कश्यप रहे। तरुण वर्ग में प्रथम स्थान पर पूर्वी उत्तरप्रदेश क्षेत्र के शशांक तिवारी, द्वितीय स्थान पर पश्चिमी उत्तरप्रदेश क्षेत्र के शैलेन्द्र कुमार, तृतीय स्थान पर उत्तर क्षेत्र के विशाल शर्मा रहे।

3. आचार्य पत्रवाचन प्रतियोगिता :- प्रथम स्थान पर दक्षिण मध्य क्षेत्र के जानकी वेमवरपु, द्वितीय स्थान पर उत्तर पूर्व क्षेत्र के विश्वबंधु उपाध्याय एवं तृतीय स्थान पर लोपामुद्रा प्रधान रहे।

10 हजार स्कूलों में सीधा प्रसारण :- संस्थान के निदेशक डॉ. रामेन्द्र सिंह ने बताया कि इस बार अखिल भारतीय संस्कृति महोत्सव के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देशभर के लगभग 10 हजार विद्यालयों में किया गया है। उन्होंने बताया कि आज प्रश्नमंच, कथा-कथन, आशु भाषण में अलग-अलग वर्गों में प्रतियोगिताएँ हुई, जिनमें देशभर के 10 क्षेत्रों से आई टोलियों ने भाग लिया।

आजाद हिन्द सरकार की हीरक जयंती समारोह आयोजित

आजाद हिन्द सरकार की हीरक जयंती के अवसर पर विद्या भारती की प्रांतीय समिति शिक्षा विकास समिति, मणिपुर के तत्त्वावधान में दिनांक 21 अक्टूबर 2019 को आजाद हिन्द फौज स्मारक सभागार में एक समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें स्वर्गीय सुभाषचन्द्र बोस के भतीजे व पश्चिम बंगाल भाजपा के उपाध्यक्ष श्री चंद्रकुमार बोस मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

समारोह की अध्यक्षता मणिपुर के शिक्षा मंत्री श्री राधेश्याम सिंह और मोइरांग के विधायक श्री पुखेरम शरतचंद्र सिंह एवं क्षेत्रीय सह संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी भी उपस्थित रहे। विद्या भारती द्वारा संचालित 12 विद्यालयों के छात्र-छात्राएँ एवं आचार्य-दीदी इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। ज्ञातव्य हो कि नेताजी सुभाषचंद्र बोस के नेतृत्व में 14 अप्रैल 1944 ई. को आजाद हिन्द फौज ने भारत में मणिपुर के मोइरांग में सर्वप्रथम तिरंगा झंडा फहराया था। वर्तमान में उस स्थान पर आजाद हिन्द फौज स्मारक स्थित है। इस अवसर पर बाल विद्या मंदिर निंग्थाउखोंग के परिसर से आजाद हिन्द फौज स्मारक समिति तक निकाली गई भव्य रैली में बड़ी संख्या में स्थानीय जनसमूह ने भाग लिया।

इस अवसर पर श्री चंद्रकुमार बोस ने कहा कि मणिपुर व केन्द्र सरकार के द्वारा विद्यालय एवं महाविद्यालयों में उपयोग होनेवाली पाठ्यक्रमों में मोइरांग के बारे में एक अध्याय जोड़ने के लिए प्रयास करना चाहिए। एन.सी.ई.आर.टी., नेशनल बुक ट्रस्ट ऑफ इंडिया अथवा पाठ्यपुस्तक निर्माण करने वाली संस्थाओं के द्वारा पाठ्यक्रम में मोइरांग के बारे में एक अध्याय जरूर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि मणिपुर व पूर्वोत्तर के राज्यों का आजादी की लड़ाई में महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है।

समारोह के अध्यक्ष व मणिपुर के ऊर्जा मंत्री श्री विश्वजीत सिंह ने कहा कि हमें इतिहास का गलत अनुसरण नहीं करना चाहिए। इतिहास को हमें सामाजिक रूप से सोच विचार कर आगे आने वाली पीढ़ी के लिए संरक्षित करना चाहिए। भारतीय स्वतंत्रता ओदोलन में गाँधी जी का अहिंसा एवं सुभाषचंद्र बोस के सशस्त्र आंदोलन का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है।

विशिष्ट अतिथि व शिक्षा मंत्री श्री राधेश्याम बोस ने अपने भाषण में कहा कि नेता जी सुभाषचंद्र बोस ने स्वतंत्रता आंदोलन को विशेष नेतृत्व प्रदान किया। नेता जी शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक एवं अध्यात्मिक रूप से विशेष व्यक्तित्त्व थे।

समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रमों में मणिपुर के पारंपरिक एवं देशभक्तियुक्त नृत्य व ताइक्वांडो का प्रदर्शन बाल विद्या मंदिर, निंग्थाउखोंग द्वारा किया गया। 'स्वतंत्रता आंदोलन में नेता जी का योगदान' विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। समारोह स्थल पर नेता जी के स्मारक पर सभी ने श्रद्धांजलि अर्पित किया।

32वीं अखिल भारतीय मार्शल आर्ट प्रतियोगिता का आयोजन

'मार्शल आर्ट एक विधा है जिसमें आत्मरक्षा के साथ-साथ दूसरे की रक्षा को विकसित करने के दाव-पेंच का प्रयोग कर आत्मनिर्भर होने की सीख देता है। इस प्रकार के खेल वर्तमान समय में काफी महत्वपूर्ण है।' उक्त विचार 32वीं अखिल भारतीय मार्शल आर्ट (वोविनाम) प्रतियोगिता के शुभारंभ के अवसर पर श्री शिरोमणि दूबे (अध्यक्ष सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान, मध्य प्रदेश) ने मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए।

प्रतियोगिता में मध्य क्षेत्र एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के प्रतिभागियों ने भाग लिया। यह प्रतियोगिता बालक-बालिकाओं के अंडर-17 एवं अंडर-19 आयु वर्ग के मध्य खेली गई। जिसमें मध्य क्षेत्र एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के कुल 07 खिलाड़ी विजेता घोषित हुए। ये सभी विजेता खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर होने वाली प्रतियोगिता (स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया) में सहभाग करेंगे।

13th National Educational Seminar In Odisha

Educating for Global Citizenship : Issues in Curriculum, Learning and Assessment

The present century witnesses the prevalence of the complex weave of interconnected communities which demands educating the coming generations for global citizenship to meet all its challenges. With a purpose of inculcating values, ethics, social responsibility, civic engagement among the global citizens and to enable them to face the global hazards for a sustainable peaceful & inclusive society, a two days National Seminar on "Educating for Global Citizenship: Issues in Curriculum, Learning and Assessment" was organized by Shiksha Vikash Samiti, Odisha on 23rd & 24th November 2019 at Sarswati Vidya Mandir, Gatiroutpatna, Cuttack.

Realizing the relevance of the topic as many as 121 learned delegates from various parts of the country registered for deliberation and participation and 77 selected papers were presented in three parallel technical sessions.

All the esteemed guests were introduced by Dr. S.K. Hati, the convener of National Seminar. He explained the purpose & theme of the seminar in his welcome address. The dignitaries were felicitated by Prof. B.K.Panda, Vice-President, SVS with Shreephal & Uttariya. The book entitled 'Learning Outcomes at School Stage : Theory and Practice' based on the precedings of the last year seminar, was unveiled by the guests. Dr. Tarulata Devi one of the editor put forth a brief description about the book.

In the inaugural address Prof. Dr. Ishan Patro, V.C. of Ravenshaw University as the chief guest of the occasion focused on the burning issues of 21st century global society, with reference to philosophical, spiritual and scientific standpoint and he was very pragmatic and hopeful for the peaceful existence of upcoming generations.

Prof. Rabindra Ramchandra Kanhare, Pro-V.C. of IGNOU & Vice-President of Vidya Bharati, as the chief speaker of the Inaugural session deliberated various challenges of environmental issues, human rights, and sustainable development on global perspectives.

Prof Nityananda Pradhan, Principal RIE, Bhopal in his keynote address, highlighted the key thematic areas of global citizenship education focusing on curriculum, approaches, research evidences & strategies for preparing teachers to educate for global citizenship.

The session came to an end with the multilingual presidential address by Prof. Dr. Basant Kumar Panda, Vice President of SVS, Odisha. He enlightened the house with the configuration of Indian traditions, cultures, values, ethics & wish for a inclusive sustainable society. A formal vote of thanks was given by Dr. Sidhanath Sahoo, co-ordinator of the seminar.

After the lunch break the 1st technical Session began with the Prof. Dr. N. Pradhan as chair, Dr. Latika Mishra, Asst. Director IGNOU as co-chair & Dr. S.P. Mohanty, Asso. Prof. Dept. of Education, R.D. University and Sravan Bag, Asst. Prof., G.M.University, Sambalpur as Rapporteurs and around 11 papers were presented by the participants.

Simultaneously in a parallel Technical session 8 papers were presented with Dr. Kishore Chandra Mohanty, Mantri, Vidya Bharati as chairperson, Dr. Tarulata Devi, Asso. Prof. as co-chair & Dr. Jagyaseni Panigrahi, Asst Lect. in Education, Chhatrapur Women's college as Rapporteur. The first day seminar was closed with a formal vote of thanks by Dr. Krupasindhu Karan, Asso. Professor.

The evening session started with the Sandhya Vandana by the inmates of Keshab Dham and a workshop on the very relevant topic on school based evaluation was initiated by Prof. N. Pradhan. In the brain storming process, all 73 resource persons and participants deliberated their views, opinions on the positive and negative aspects of external and internal based evaluation system. The workshop was highly meaningful & appreciating one for its pragmatic implications. The entire session was co-ordinated by Khageswar Das & other SVS family members and guided by Gobind Chandra Mohanta of Vidya Bharati. The session ended with Shanti Mantra by the participants.

On the second day the seminar started by enlightening the holy lamp by Dr. Binayak Das, President, SVS,Odisha. Two parallel sessions continued. The one session was started in the Boudhik Mandap with the chairmanship of Dr. S.K.Hati, co-chair by Dr. T.Devi & Dr. Sabita Mishra as rapporteur and 26 papers were presented. The other session was started with the chairmanship of Dr. Latika Mishra, Asst. Director IGNOU, Koraput, Dr. S.P.Mohanty, Asso. Prof. R.D.Women's University as co-chair & Dr. K. Karan, Asso. Prof. as Rapporteur and 32 papers were presented. Bijaya Ganesh Kulkarni, Dr. K.C.Mohanty & Dr. Bimal Prasad Das participated & deliberated as Resource Persons.

The two days long seminar came to close with valedictory session chaired by Dr. Binayak Das, President, SVS, Odisha. The guest introduction was given by Dr. Latika Mishra followed by the presentation of seminar report by Dr. T. Devi, The observation & opinions of the entire seminar proceedings was highlighted with great appreciation by Dr. Golak Bihari Giri, Rtd. Asso. Prof. of Delanga College, Puri, Dr. Ashok Mohanty, Principal, SVM, Damonjodi, Harish Kumar Pandey, Acharya, Jharkhand.

Prof. P.C.Agarwal, Principal, RIE, Bhubaneswar as Hon'ble Guest in his valedictory address focused on major global challenges of human rights, pollution, inequality etc, and emphasized on unity in diversities in multi-cultural environment. Dr. Kanhare as Hon'ble speaker focused on the sustainable development goals in the global agenda. Dr. K.C.Mohanty as Hon'ble guest addressed the theoretical & practical implementation of global citizenship education of 21st. century. Dr. Binayak Das in his presidential address highlighted on Indian perspective of integrating the global citizenship education in present educational scenario. At the end of the valedictory session, certificates of participation &

paper presentation were distributed by the guests and a formal vote of thanks was proposed by Dr. S.K.Hati, convenor of the seminar.

Further, the topic for the coming 14th. National Seminar entitled 'National Policy for School Education : Challenges and Opportunities' was announced before the august house by Dr. S.N.Sahoo, Co-ordinator of the seminar. Lastly, the seminar was declared closed by the President with "Shanti Mantra & Vande Mataram".

School visit by Maan. Sar Sangh Chalak ji

Parama Pujyaneeya Sar Sangh Chalak ji is visiting our Sarada Dhamam School, Bandlaguda,Hyderabad (Telangana state) on 29th of December. Our Telangana Vidya Bharathi Team, under the leadership of Manya Sri Lingam Sudhaker Reddy is rigorously making arrangements. State level school officers are divided into groups and committees. They have been allotted different responsibilities. Senior officials are supervising the teams, with involvement of old students and old teachers.

3 Girls of Hapur School Selected Under 'Khelo India Search Talent'

Three students of Class VIII of Brahmadevi Saraswati Balika Senior Secondary School, Hapur, have been selected by Sports Authority of India under the 'Khelo India Search Talent' to be admitted in the Kendriya Vidyalaya. The three are Jayanti Tyagi, Tania Chaudhary and Palak Tyagi.

They will be now studying in the Kendriya Vidyalaya, Gwalior and all their expenses up to class 12, including that of their stay in hostel, food and shooting exercises etc. will be borne by the Sports Authority of India. Education of the above three girl students will start from 16 October 2019 in Kendriya Vidyalaya, Gwalior.

'Matri Sammelan' organized in Arunachal School

1.General Description:-

Abotani Vidya Niketan Secondary School, of Naharlagun in Arunachal Pradesh organized a 'Matri Sammelan'. This is a co-educational school affiliated to CBSE. The school was established in the year 1994 and is run by Arunachal Shiksha Vikas Samiti.

Shri Taba Tedir, Minister (Education, Art & Culture, DIA) of Arunachal Pradesh was the Chief Guest and Smt. Gumri Ringu, President, Arunachal Pradesh Women's Welfare Society was the Guest of Honour, on the occasion. Both the dignitaries asked the Mothers to be pro-active in building a wonderful atmosphere in the society.

Earlier Smt. Gumri Ringu President of Arunachal Pradesh Women's Welfare Society (APWWS) appreciated and thanks the Organizers of the MATRI SAMMELAN for inviting her as the Guest of Honour by respecting the noble gestures of the Arunachal Pradesh Women's Welfare Society (APWWS) from she is the present Chief as president.

Smt Gumri Ringu mentioned about present trends of hues and cries that are prevailing in the state Capital in social media putting the reputation of women in a dark situation which needs to be taken seriously by all sections of the society. She asked all mothers to take care of their children from drug addiction.

Chief Guest Shri Taba Tedir also talked of how to stop drug addiction and unlawful activities by school children, which is a biggest challenges of the State. He appreciated the efforts of the school and the management team in organizing 'Matri Sammelan' in a befitting manner. Later both the dignitaries and others visited the gadgets displayed by the students.

Earlier Smt Tadar Menia, Organizing Committee Chairperson in her Presidential address mentioned about the plight of the students in drug addiction and called it as a menace to the state, which needs to be stopped urgently.

Two more technical sessions were organized after the formal inaugural ceremony which was attended among others by the Anjaw MLA Smt. Dasanglu.

Donyi Polo Vidya Niketan In Pasighat Also Celebrate 'Matri Sammelan'

The Donyi Polo Vidya Niketan of Pasighat in Arunachal Pradesh celebrated 'Matri Sammelan' in a whole day event and dedicated the grand occasion to the glorious silver jubilee year of Arunachal Shiksha Vikas Samiti.

The 'Matri Sammelan' is organized by different schools of Vidya Bharati to awaken women from all sectors and to empower them. In the Pasighat school programme one session was on women health care by Dr. Julie Darung, Medical officer Urban Health Centre. 300 women participated in the inaugural function which was chaired by Smt. Oli Perme, SDO, Pasighat as the chief guest and Guest of Honour Smt. Isha Pandey, IPS 5th IRBN Commandant Pasighat. Smt. Karbilota Deori, Kendriya Rashtriya Sevika Samiti Prantiya Karyakarta addressed the gathering as the main speaker of the occasion.

All the visiting dignitaries including the Chief Guest, urged in their speech the significance of women and their education, role of women in family and in society, women health and role of women in preservation on Indian culture also highlighting the role of women as a mother particularly. In their message, they urged all for encouraging the children in every field and talked of the role of school for development of a child.

समर्थ शिशु श्रीराम कथा का आयोजन

मनोहरी देवी सरस्वती शिशुवाटिका, सरस्वती शिशु शिक्षा समिति, मेरठ महानगर के तत्वावधान में 01 दिसंबर से 05 दिसंबर 2019 तक ''समर्थ शिशु श्रीराम कथा'' का आयोजन किया गया। कथा का शुभारम्भ 01 दिसंबर को कलश यात्रा के साथ हुआ जिसमें 51 सौभाग्यवती महिलाएँ पंक्तिबद्ध होकर श्रीराम मंदिर डी-ब्लॉक से प्रारंभ होकर कथा स्थल सरस्वती शिशु मंदिर के प्रांगण में विसर्जित हुई। कथावाचक शिरोमणि पंडित श्याम स्वरूप मनावत जी द्वारा पहले दिन से ही कथा श्रवण करने वालों में नव दम्पतियों को विशेष रूप से अपना प्रबोधन दिया गया। उन्होंने अपने प्रबोधन में कहा कि यदि आने वाली संतान को अगर श्रेष्ठ बनाना चाहते हैं तो इस संकल्प के साथ ही आरंभ करना होगा कि हमें पुत्र ईश्वर जैसा चाहिए। स्वयं भगवान ही हमारे घर संतान बनकर पधारें। महाराज महारानी के इस व्रत से ही हमारे संसार को प्रभु श्रीराम मिले। कथा व्यास पंडित मानस मर्मसद्ध ने कहा कि श्रेष्ठ संतान के सृजन का पहला सोपान गर्भाधान संस्कार है। गृहस्थी का यह कार्य वासना के भाव से नहीं, उपासना के भाव से होना चाहिए। यह कर्म एक यज्ञ की भाँति पवित्र है। पति-पत्नी की जोड़ी साक्षात् श्रद्धा और विश्वास का मिलन है। पत्नी श्रद्धा और पति विश्वास बने तो विश्व को गणेश मिला करते हैं। यदि पति दशरथ और पत्नी कौशल्या है तो ब्रह्म को बेटा बनाया जा सकता है।

बड़ी संख्या में श्रोताओं ने कथा श्रवण किया। मेरठ प्रांत में इस प्रकार के श्रीराम कथा का अनूठा आयोजन पहली बार हुआ।

पाँचवें संस्कार केन्द्र का शुभारम्भ

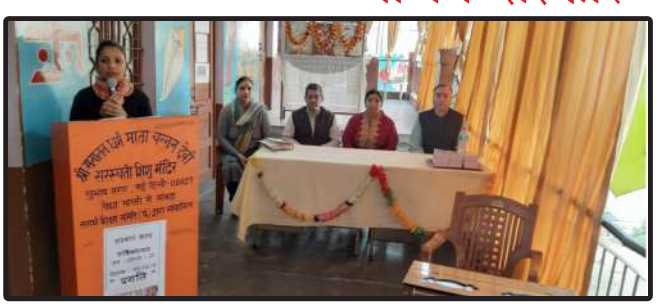

विद्या भारती की प्रांतीय समिति समर्थ शिक्षा समिति, दिल्ली के तत्वावधान में दिनांक 03 दिसंबर 2019 को सरस्वती शिशु मंदिर, सुभाष नगर विद्यालय में पाँचवें संस्कार केन्द्र का शुभारम्भ विद्यालय के वार्षिकोत्सव के अवसर पर किया गया।

इस कार्यक्रम में विद्यालय की व्यवस्थापिका श्रीमती मंजू आर्या व प्रधानाध्यापिका श्रीमती मोनिका भल्ला एवं मुख्य अतिथि के रूप में श्री नरेन्द्रदत्त जी ने संयुक्त रूप से वार्षिकोत्सव का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर श्री अरुण शर्मा (सह संस्कार केन्द्र प्रमुख) उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में संस्कार केन्द्र प्रमुख श्री नरेन्द्रदत्त जी ने प्रशंसा करते हुए कहा कि संस्कार केन्द्रों के माध्यम से अपना विद्यालय इसी प्रकार प्रगति करता रहे। हमारा सहयोग व शुभकामनाएँ आप सभी के साथ है। कार्यक्रम में विद्यालयों के सदस्यों के साथ संस्कार केन्द्र की 05 आचार्या, 100 छात्रों एवं 70 अभिभावकों ने सहभाग किया।

क्षेत्रीय गणित विज्ञान मेला

गीता निकेतन आवासीय विद्यालय कुरुक्षेत्र में दिनांक 01 नवंबर से 03 नवंबर तक तीन दिवसीय 18वीं क्षेत्रीय गणित विज्ञान मेले का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. प्रबोधचंद शर्मा (निदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, करनाल) ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि माता-पिता, अध्यापक एवं भगवान इन तीनों का व्यक्ति के जीवन की ऊँचाइयों के शिखर पर पहुँचाने बहुत बड़ा योगदान है। अनुशासन, समय पालन एवं कठिन परिश्रम हीं सफलता पाने के मूल मंत्र हैं। उन्होंने छात्रों को ऊँचे और बड़े सपने देखते हुए उनको पूरा करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहने के लिए प्रेरित किया। साथ ही साथ श्री बालकिशन जी सह-संगठन मंत्री, उत्तर क्षेत्र) ने छात्रों को विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से वेदों को आत्मसात करते हुए वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने के लिए कहा।

इस अवसर पर संस्कृति ज्ञान परीक्षा के अंतर्गत गणित, विज्ञान एवं कंप्यूटर विषयों में चारों वर्गों (शिशु, बाल, किशोर एवं तरुण वर्ग) के विद्यार्थियों द्वारा मॉडल, प्रश्नमंच, प्रयोग तथा पत्रवाचन आदि विभिन्न ज्ञानवर्धक गतिविधियों का प्रदर्शन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में उत्तर क्षेत्र के सभी प्रांतों के 531 छात्र-छात्राओं ने अपने 420 मॉड्लों का प्रदर्शन किया। मेले में विज्ञान विषय में दिल्ली प्रांत, वैदिक गणित में पंजाब प्रांत, कंप्यूटर एवं संस्कृति ज्ञान परीक्षा में हरियाणा प्रांत के छात्रों का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। सभी विजेता भैया-बहनों कों पुरस्कृत किया गया।

नन्हें वैज्ञानिकों ने इंस्पायर मानक अवार्ड में मारी बाजी

गीता निकेतन आवासीय विद्यालय, कुरुक्षेत्र के नन्हें वैज्ञानिकों ने 'इंस्पायर मानक अवार्ड- वर्ष 2019' की स्पर्धा में भाग लेकर दस-दस हजार रुपये की धनराशि पुरस्कार स्वरूप प्राप्त किया। ज्ञातव्य हो कि भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डी.एस.टी.) द्वारा सन् 2009 से 'इंस्पायर पुरस्कार योजना' का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इंस्पायर अवार्ड विद्यालय स्तर के छात्रों में इनोवेशन और रचनात्मक सोच को बढ़ावा देने के साथ-साथ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के माध्यम से सामाजिक जरूरतों को पूरा करने की दिशा में एक पहल है।

विज्ञान और तकनीक पर आधारित इस अवार्ड के लिए 10 लाख आवेदनों में से गीता निकेतन आवासीय विद्यालय के तीन छात्र- गर्वित, हरगुन और शुभम क्रमशः रेलवे ट्रैक से बिजली का उत्पादन, दुर्घटनारहित उद्योग (एक्सीडेंट फ्री इण्डस्ट्री) एवं दुर्घटनारहित मोटर साईकिल (एक्सीडेंट फ्री मोटर साईकिल) के मॉडल निर्माण के लिए चयनित हुए। इसके लिए विद्यालय के प्राचार्य श्री नारायण सिंह ने तीनों छात्रों को उनकी उपलब्धि पर बधाई देते हुए उनका उत्साहवर्धन किया।

लज्जाराम जी तोमर की स्मृति में उपवन का लोकार्पण

माननीय लज्जाराम जी तोमर के पैतृक गाँव बघपुरा, सुभाषनगर, जिला मुरैना में उनकी स्मृति में एक उपवन का लोकार्पण एवं जल संवर्धन विषय पर एक गोष्ठी का आयोजन सरस्वती शिशु मंदिर सुभाषनगर, मुरैना में किया गया जिसमें मुख्य अतिथि एवं जल संवर्धक पद्मश्री महेश जी शर्मा उपस्थित रहे। इस द्विवसीय कार्यक्रम के दौरान प्रथम दिन सरस्वती शिशु मंदिर बघपुरा, मुरैना के प्रांगण में पद्मश्री महेश शर्मा ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि जो लोग समाज के लिए काम करते हैं, उनसे अन्य लोगों को भी ऊर्जा मिलती है। मेरा यहाँ आने का उद्‌देश्य विशेषकर माता जी (स्व. लज्जाराम जी की धर्मपत्नि) के दर्शन करना, उनसे मिलना एवं बघपुरा के निवासी लोगों से मिलना, यहाँ की मिट्‌टी को प्रणाम करना है। स्व. लज्जाराम जी तोमर ने शिक्षा के क्षेत्र में अनेक प्रयोग किए। उन्होंने भारतीय शिक्षा के क्षेत्र पंचपदी शिक्षा पद्धति पर आधारित पुस्तक लिखी। शिक्षा कैसी होनी चाहिए, यह विद्या भारती के लक्ष्य में निश्चित किया है। उन्होंने संकल्प लिया था कि भारतीय शिक्षा, पंचपदी शिक्षण पर आधारित हो, ऐसी शिक्षा विद्या भारती के विद्यालयों में दी जाती है।

पद्मश्री महेश शर्मा ने जल संवर्धन विषय पर कहा कि हमलोग चाहें तो जल के अपव्यय को रोका जा सकता है। इसके लिए मैंने स्वयं के प्रयास से झाबुआ जिले में 1,11,000 जल संरचना बनाकर जल को रोकने का प्रयास किया है। इसके लिए श्री महेश शर्मा को झाबुआ का गाँधी कहा जाता है एवं इसके लिए आपको भारत सरकार ने पद्मश्री से विभूषित किया है। इस कार्यक्रम में संयोजक श्री शर्मा के बाल सखा श्री देवेन्द्र जी तोमर एवं श्री राधेश्याम गुप्ता सहित पूरा आचार्य परिवार एवं समस्त भैया-बहन उपस्थित रहे।

वैदिक गणित आचार्य प्रशिक्षण वर्ग

सरस्वती विद्यापीठ आवासीय विद्या मंदिर, शिवपुरी (म.प्र.) में दिनांक 12 से 15 दिसंबर 2019 तक विभाग स्तर पर चार दिवसीय वैदिक गणित आचार्य प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन हुआ। इस वर्ग में शिवपुरी विभाग के चार जिलों के सभी विद्यालयों के गणित विषय के आचार्य-दीदियों का प्रशिक्षण हुआ। वर्ग में आचार्य-दीदियों को गणित विषय की अवधारणाओं को स्पष्ट कर सरल और रोचक बनाने हेतु वैदिक गणित विषय के विभिन्न आयामों का प्रशिक्षण कराया गया।

प्रशिक्षण वर्ग के समापन दिवस पर मुख्य अतिथि के रूप में सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान, मध्य प्रदेश के प्रांतीय सचिव श्री मोहनलाल जी गुप्ता एवं अध्यक्ष श्री दिनकर जी निखरा (गणित शिक्षक) उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए श्री गुप्ता ने कहा कि यह प्राचीन भारतीय गणित है, जो सरल एवं रोचक है तथा ऐसा माना जाता है कि इसका सम्पूर्ण ज्ञान केवल 16 सूत्रों में समाया हुआ है। यह गणित को हल करने का सबसे सरल उपाय है जिसे विश्व के पश्चिमी देशों में काफी अपनाया जा रहा है। वर्ग में श्री देवेन्द्रराव जी देशमुख (राष्ट्रीय संयोजक, वैदिक गणित) का प्रशिक्षार्थियों को मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

27वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस की प्रतियोगिता में सरस्वती शिशु मंदिर के छात्रों ने बाजी मारी

दिनांक 02 से 04 दिसंबर 2019 तक आयोजित राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के द्वारा गिरधर ग्रूप ऑफ इंस्टिट्यूशन मंडीदीप, जिला रायसेन में किया गया। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में सरस्वती विद्यापीठ आवासीय विद्यालय, शिवपुरी (म.प्र.) के छात्र भैया पंकज जालोन ने भाग लेकर 11वाँ स्थान प्राप्त कर शिशु मंदिर विद्यालय एवं शिवपुरी जिले का नाम रौशन किया। इस प्रतियोगिता में चयन होने के पश्चात् छात्र पंकज जालोन का चयन सुपर 30 में भी हुआ। छात्र पंकज जालोन की संपूर्ण तैयारी विद्यालय के शिक्षक श्री महेन्द्र कुमार अहिरवार ने मार्गदर्शक (एस्कॉर्ट टीचर) के रूप में कराया। आगामी 28 से 30 दिसंबर 2019 तक केरल के तिरुवनंतपुरम में राष्ट्रीय स्तर पर इस प्रतियोगिता की श्रृंखला में आयोजन किया जाएगा। ज्ञातव्य हो कि यह 27वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान काँग्रेस का आयोजन नेशनल काउंसिल ऑफ इंडिया एवं साइंस एंड टेक्नोलॉजी, भारत सरकार द्वारा प्रतिवर्ष संचालित की जाती है।

प्रबंध समितियों का एक दिवसीय सम्मेलन

सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान, मालवा प्रांत द्वारा आयोजित शाजापुर विभाग के विद्यालयों की प्रबंध समितियों का एक दिवसीय सम्मेलन दिनांक 24 नवंबर 2019 को सरस्वती शिशु मंदिर, दुपाड़ा मार्ग, शाजापुर में आयोजित हुआ। उद्घाटन अवसर पर रा.स्व.संघ के प्रांत कार्यवाह श्री शम्भु गिरि जी ने उपस्थित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए 'दायित्त्व-बोध एवं मातृ-भाषा में हो शिक्षा' विषय पर प्रकाश डाला।

समापन सत्र में नगरीय शिक्षा प्रांत प्रमुख श्री पंकज पंवार ने विद्यालय संचालन समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर पाथेय प्रदान किया। सम्मेलन में शाजापुर विभाग के विभिन्न प्रबंध समितियों के 167 प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। सम्मेलन में सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान, मालवा प्रांत के उपाध्यक्ष, शाजापुर जिले के सह जिला प्रतिनिधि, शाजापुर विभाग के विभाग समन्वयक, आगर जिला प्रतिनिधि आदि पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

संस्कार केन्द्र के आचार्यों की कार्यशाला

श्री रानी सरस्वती शिशु/विद्या मंदिर, फारबिसगंज (बिहार) के संयुक्त तत्त्वावधान में विद्या भारती की प्रांतीय समिति लोक शिक्षा समिति द्वारा संचालित सरस्वती संस्कार केन्द्र के आचार्य-दीदियों का एक दिवसीय कार्यशाला दिनांक 15 दिसंबर 2019 को आयोजित हुई, जिसमें फारबिसगंज, नरपतगंज, भरगामा, कुर्साकांटा, सिकटी, पलासी, जोकीहाट, प्रखंड के तीन दर्जन संस्कार केन्द्रों के आचार्य-दीदियाँ शामिल हुई। लोक शिक्षा समिति, बिहार के सेवा प्रांत प्रमुख श्री कृष्ण कुमार ने मॉडल क्लास लेते हुए संस्कार केन्द्र पर होने वाली विभिन्न गतिविधियों का चित्रण किया। उन्होंने संस्कार केन्द्र के माध्यम से होने वाले सामाजिक परिवर्तन एवं आगामी कार्ययोजना के बारे में विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श किया। इस अवसर पर संस्कार केन्द्र के जिला प्रमुख श्री उदय कुमार ठाकुर, प्रधानाचार्य श्री अवधेश प्रसाद श्रीवास्तव एवं छात्रावास अधीक्षक श्री धीरेंद्रनाथ झा उपस्थित रहे।

बालिका व्यक्तित्त्व विकास शिविर

'वाणी, स्वाद और अर्थ पर बालक-बालिकाओं का संयम आवश्यक है। बालक-बालिकाओं की शिक्षा अपनी परंपरा, रीति-रिवाज, संस्कृति को ध्यान में रखकर ही देना चाहिए। यह अवस्था शारीरिक, मानसिक एवं भावानात्मक परिवर्तन की होती है। हमें अपनी भावना पर नियंत्रण रखने की जरूरत है। आज भटकाव के साधन बहुत हैं। हमें सही और गलत का निर्णय लेना आना चाहिए। बच्चों में घर, परिवार की मर्यादा, बड़ों के प्रति आदर और सम्मान की भावना, स्वावलंबन के संस्कार विकसित करने में माताओं की भूमिका अहम होती है। समाज और देशहित में कार्य करने की प्रेरणा अपने बच्चों को दें।' उक्त बातें विद्या भारती की राष्ट्रीय संयोजिका सुश्री रेखा चुड़ासमा जी ने वरिष्ठ माध्यमिक सरस्वती विद्या मंदिर, मुंगेर (बिहार) में आयोजित (दिनांक 01 से 02 दिसम्बर 2019 को) 'बालिका व्यक्तित्त्व विकास शिविर' के उद्घाटन समारोह में कही।

कार्यक्रम का शुभारंभ अखिल भारतीय सहमंत्री श्री कमलकिशोर सिन्हा, अखिल भारतीय बालिका शिक्षा संयोजिका सुश्री रेखा चुड़ासमा, मुख्यातिथि डॉ. आशा अल्का, विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति की सहमंत्री श्रीमती सरोज कुमारी एवं क्षेत्रीय बालिका शिक्षा संयोजिका श्रीमती कीर्ति रश्मि ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

मुख्य अतिथि डॉ. आशा अल्का ने अपने उद्बोधन में कहा कि उम्र के साथ बालिकाओं में शारीरिक, मानसिक एवं भौतिक विकास होना स्वभाविक है। व्यक्तित्त्व विकास के लिए परिवार की अत्यधिक जिम्मेवारी माताओं पर ही होती है। उन्होंने आगे कहा कि माताएँ लड़का-लड़की में भेद-भाव न

विद्याभारती संकुल संवाद
Date of publishing : 20 December, 2019
Total No. of Pages : 8
RNI No. : DELBIL/2005/15122
D.L. No. : DL (S)-01/3362/2019-21
Date of Posting -24-25 December, 2019

करें। बालक-बालिकाओं में गुड टच और बैड टच की समझ विकसित करनी चाहिए।

विशिष्ट अतिथि डॉ. कमलकिशोर सिन्हा ने कहा कि बालिकाएँ घर के साथ सामाजिक दायित्वों का भी निर्वाह करें। बालक बालिकाओं के चरित्र एवं व्यक्तित्व निर्माण के संदर्भ को इंगित करते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान तकनीकी युग में मोबाईल का प्रयोग वरदान के साथ अभिशाप भी साबित हो रहा है। अत: इसका प्रयोग सही कार्य व दिशा में करें।

अध्यक्षीय उद्‌बोधन में श्रीमती सरोज कुमारी ने कहा कि समाज निर्माण में बालिकाओं का महत्त्वपूर्ण योगदान है। परिवार में महिलाएँ शिक्षित होगीं तो पूरे परिवार को शिक्षित एवं संस्कारित करेंगी।

इस अवसर पर पूर्व छात्रा सम्मान कार्यक्रम का भी आयोजन हुआ, जिसमें जिला उच्च विद्यालय, मुंगेर की विज्ञान शिक्षिका खुशबू पटेल, यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया, कमला नगर ब्रांच, नई दिल्ली की ब्रांच मैनेजर सुश्री नम्रता, पटना उच्च न्यायालय में प्रैक्टिसनर लॉयर के रूप में कार्यरत रश्मि संडवार तथा समाज सेविका एवं हुनर सोसाईटी की सुश्री प्रीति कुमारी वैश्य को सम्मानित किया गया। ये सभी सरस्वती विद्या मंदिर, मुंगेर की छात्रा रही हैं।

क्षेत्रीय बालिका शिक्षा संयोजिका श्रीमती कीर्ति रश्मि ने कहा कि दो दिवसीय शिविर का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं में सर्वांगीण विकास करना है। शिविर सामूहिकता में जीने की कला सिखाती है। भारतीय संस्कृति के शाश्वत मूल्यों की रक्षा हमारी बेटियाँ ही करती आ रही हैं।

कार्यक्रम के समापन में विशिष्ट अतिथि डॉ. कविता वर्णवाल ने माताओं को संबोधित करते हुए कहा कि जहाँ नारी की पूजा होती है, वहाँ देवता का निवास होता है। किसी भी जीव को धरती पर लाने का श्रेय माताओं को ही है। कोई भी देश तब तक विकास नहीं कर सकता जब तक माताएँ शिक्षित न हों।

शिशु संगम जयपुर-2019

दिनांक 26 नवंबर 2019 को आदर्श शिक्षा परिषद् समिति, जवाहर नगर जयपुर में शिशु संगम कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसका उद्‌घाटन श्री राधेश्याम जी एवं डॉ. शैलेन्द्र जी के कर कमलों द्वारा हुआ। शिशु संगम का उद्‌घाटन श्री गोविन्द प्रसाद अरोड़ा एवं बहन सुश्री प्रमिला जी द्वारा माँ शारदा के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम में आदर्श शिक्षा परिषद् समिति, जयपुर के अध्यक्ष द्वारा विद्या भारती की संकल्पना रखी गई। कार्यक्रम में गुरुनानक देव जी के प्रकाश पर्व की 550वीं वर्षगांठ भी मनाई गई। कार्यक्रम में क्रिया आधारित शिक्षा को नन्हें-मुन्ने भैया-बहनों द्वारा प्रदर्शित किया गया। जिसमें घोष के संचलन, आग के गोले में से बालकों का निकलना, रेलगाड़ी खेल के माध्यम से भाईचारा का संदेश, हिन्दी-अँग्रेजी कविताओं द्वारा भाषा-विज्ञान की महत्ता, पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता के कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। डॉ. शैलेन्द्र जी ने संस्कारों के महत्व बताते हुए कहा कि नन्हें भैया-बहनों को शुरु में दिए गए संस्कार जीवन-पर्यन्त रहते हैं। संस्कारी बालक देश, समाज व परिवार को सुदृढ़ बनाता है।

मुख्य वक्ता श्री गोविन्द प्रसाद जी ने विद्या भारती में शिशु मंदिरों के बीजारोपण के बारे में बताया। उन्होंने बालकों में शिवाजी, समर्थ गुरु रामदास व जीजाबाई के संस्कार जाग्रत करने के बारे में भी बताया। इस शिशु संगम कार्यक्रम में 1980 भैया/बहिन एवं 2065 अभिभावकों ने भाग लिया।

सेवा में

प्रकाशक एवं मुद्रक : श्री ललित बिहारी गोस्वामी, महामंत्री, विद्याभारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, प्रज्ञा सदन, गो.ला.त्रे. सरस्वती बाल मंदिर परिसर, म.गाँ. मार्ग, नेहरू नगर, नई दिल्ली-110065, के लिए हिन्दुस्तान ऑफसेट प्रेस, ए-26, नारायणा इण्डस्ट्रीयल एरिया, फेस-2, नई दिल्ली-110028 से मुद्रित एवं विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, प्रज्ञा सदन, गो.ला.त्रे. सरस्वती बाल मंदिर परिसर, म.गाँ. मार्ग नेहरू नगर, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित। **संपादक :** श्री ललित बिहारी गोस्वामी, फोन : 011-29840013